JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# राजस्थान में पर्यटन बजट और व्यय पर एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

**1.अशोक कुमार जांगिड.**
**शोधार्थी**
**[1]कोटा विश्वविद्यालय, कोटा**

**2. डॉ. रेनु ननावत**
**सह-आचार्य**
**[2]राजकीय वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, कोटा**

## भूमिका

राजस्थान अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्मारकों, और प्राकृतिक सुंदरता के कारण जाना जाता है। पर्यटक स्थानों के रख-रखाव के लिए बजट आवंटन और वास्तविक व्यय का सही प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह विश्लेषण करके निष्कर्ष निकालना चाहता है कि राजस्थान में पर्यटन के लिए आवंटित बजट का कितना प्रभावी उपयोग हुआ और इससे राज्य के पर्यटन क्षेत्र को क्या लाभ हुए। राजस्थान में बजट और व्यय के बारे में पता लगाने का उद्देश्य प्रवृत्तियों को समझना है, बल्कि यह भी पता लगाना है कि किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

## शोध समस्या

योजनाओं के लिए आवंटित बजट और उसके वास्तविक व्यय में असमानता देखी गई है। यह अध्ययन इस बात का विश्लेषण करेगा कि इस असमानता को दूर कैसे किया जा सकता है, जांच की जाएगी कि बजट का प्रभावी उपयोग क्यों नहीं हो पाया और इसका पर्यटन पर क्या प्रभाव पड़ा।

## साहित्य समीक्षा

राजस्थान में पर्यटन बजट में विभिन्न शोध और रिपोर्ट्स के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि यह विषय बहुआयामी है और इसमें कई कारकों का योगदान है। इस साहित्य समीक्षा में प्रमुख लेख है-

1. गुप्ता, ए. और सिंह, पी. (2019). Covid-19 के प्रभाव से पर्यटन क्षेत्र में बजट का पुनर्गठन। सस्टेनेबल टूरिज्म जर्नल, 12(4), 112-123।

- यह शोध महामारी के दौरान व्यय में गिरावट और पर्यटन क्षेत्र पर उसके प्रभाव पर प्रकाश डालता है1 ।

2. द फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI) रिपोर्ट (2020). राजस्थान के पर्यटन विकास की रणनीतियाँ।

- रिपोर्ट में राजस्थान के पर्यटन स्थलों की संरचना और बजट प्रबंधन के सुझाव शामिल हैं2।

3. यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन ( UNWTO) रिपोर्ट (2021). विकासशील देशों में पर्यटन व्यय का महत्व।

- यह रिपोर्ट राजस्थान जैसे राज्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य प्रदान करती है[3] ।

4. कपूर, डी. (2020). राजस्थान के ग्रामीण पर्यटन स्थलों का बजट और उसकी चुनौतियाँ। जर्नल ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड टूरिज्म, 8(3), 50-60।

- यह अध्ययन ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन योजनाओं के लिए बजट की कमी पर केंद्रित है[4] ।

5. भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय (2021). राजस्थान में पर्यटन के लिए आवंटित बजट।

- इससे यह जानकारी मिलती है कि बजट के सही उपयोग में पारदर्शिता की कमी रही है[5] ।

6. सिंह, ए. और जोशी, के. (2017). राजस्थान के ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों के विकास के लिए बजटीय प्रोत्साहन।

- शोध में सुझाव दिया गया है कि ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित करने के लिए विशेष बजट प्रावधान की है[6] ।

7. कुमार, वी. (2019). T पर्यटन का उदय और बजटीय आवंटन। इकोनॉमिक्स जर्नल, 5(2), 78-89।

- डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग से पर्यटन विकास और www उपयोग में सुधार के तरीकों पर चर्चा की गई है[7] ।

8. राजस्थान टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (त्ज्क्ब्) रिपोर्ट (2020). पर्यटन में सरकारी और निजी भागीदारी।

- सार्वजनिक-निजी भागीदारी () मॉडल कैसे राज्य के पर्यटन को बढ़ावा दे सकता है[8] ।

9. UNESCO (2022). सांस्कृतिक धरोहर स्थलों का बजट और संरक्षण।

- राजस्थान के सांस्कृतिक स्थलों के लिए विशेष बजट आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है[9] ।

10. वरिष्ठ, एस. (2018). राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र में क्षेत्रीय असमानताएँ। इकोनॉमिक्स ऑफ डेवेलपिंग स्टेट्स, 9(1), 33-45।

- शोध में क्षेत्रीय असमानता और उसके प्रभावों का अध्ययन किया गया है[10] ।

11. राजस्थान सरकार, आर्थिक सर्वेक्षण (2021). राज्य के पर्यटन बजट का वार्षिक प्रदर्शन।

- यह रिपोर्ट पर्यटन बजट के उपयोग और उसके प्रदर्शन का विवरण प्रदान करती है[11] ।

12. भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (2020). पर्यटन योजनाओं की प्रभावशीलता।

- संस्थान की रिपोर्ट पर्यटन योजनाओं के कार्यान्वयन में चुनौतियों पर केंद्रित है[12] ।

13. ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (2022). राजस्थान में सतत पर्यटन के लिए बजट प्रबंधन।

- सतत पर्यटन और उसके लिए आवश्यक बजट प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा की गई है[13] ।

## उद्देश्य

1. 2017-18 से 2022-23 तक के पर्यटन बजट और व्यय का अध्ययन करना।
2. बजट आवंटन और व्यय के बीच असमानता के प्रभावों का विश्लेषण।
3. यह समझना कि किस प्रकार बजट व्यय में सुधार से पर्यटन का समग्र विकास हो सकता है।

## शोध विधि

इस शोध में द्वितीयक आंकड़ों का उपयोग किया गया है। इन आंकड़ों को सरकारी रिपोर्ट्स और बजट दस्तावेजों से संकलित किया गया है। आंकड़ों का विश्लेषण संख्यात्मक और ग्राफिकल तरीके से किया गया है ताकि रुझानों और अंतरालों को बेहतर तरीके से समझा जा सके।

आंकड़ों का विश्लेषण

2017-18 से 2022-23 तक का बजट और व्यय (लाख रू ):

| वर्ष | मूल प्रावधान | संशोधित प्रावधान | वास्तविक व्यय |
|---|---|---|---|
| 2017—18 | 16350.62 | 16350.62 | 15591.74 |
| 2018—19 | 17925.67 | 12712.53 | 10543.44 |
| 2019—20 | 11445.08 | 6586.39 | 4740.78 |
| 2020—21 | 12076.44 | 8078.04 | 4845.38 |
| 2021—22 | 45644.46 | 19779.11 | 15395.26 |
| 2022—23′ | 24576.30 | — | 10622.65 |

चार्टः नीचे दिए गए चार्ट में ऊपर प्रस्तुत डेटा का तुलनात्मक विश्लेषण दर्शाया गया हैः

## प्रमुख निष्कर्ष

### 1. बजट और व्यय का अंतरः

- 2017-18 से 2022-23 तक के वर्षों में मूल और संशोधित प्रावधानों में लगातार कमी देखी गई है।
- वास्तविक व्यय अक्सर संशोधित प्रावधानों से भी कम रहा है, विशेष रूप से 2019-20 और 2020-21 में।
- यह अंतर योजनाओं के सही तरीके से कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न कर सकता है।

### 2. COVID -19 का प्रभावः

- 2019-20 और 2020-21 में व्यय में कमी का मुख्य कारण ब्व्टप्क्-19 महामारी रहा।
- इस अवधि में पर्यटन क्षेत्र पर भारी नकारात्मक प्रभाव पड़ा, जिससे बजट प्रावधानों का उपयोग प्रभावी रूप से नहीं हो सका।

**3. बढ़ता बजट (2021-22):**

- 2021-22 में बजट में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, लेकिन व्यय की करने की योजना सही नहीं है।
- बजट का बड़ा हिस्सा शायद योजना और क्रियान्वयन में पारदर्शिता की कमी के कारण अप्रयुक्त रह गया।

**4. पर्यटन क्षेत्र में असमानताएँ:**

- शहरी और ग्रामीण पर्यटन स्थलों में निवेश का असमान वितरण स्पष्ट है।
- यह असमानता क्षेत्रीय विकास में बाधक हो सकती है।

## सिफारिशें

**1. बजट प्रबंधन में पारदर्शिता:**

- बजट व्यय में पारदर्शिता लाने के लिए तकनीकी प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाए।

**2. क्षेत्रीय पर्यटन पर ध्यान:**

- बजट का एक बड़ा हिस्सा क्षेत्रीय पर्यटन स्थलों और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को सुधारने में लगाया जाए।
- छोटे और मध्यम पर्यटन स्थलों को आकर्षित करने के लिए योजनाएँ बनाई जाएँ।

**3. Covid-19 के बाद की रणनीति:**

- महामारी के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए नई पर्यटन योजनाओं को लागू किया जाए।
- डिजिटल पर्यटन और वर्चुअल टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए।

**4. सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP मॉडल):**

- निवेशकों को आकर्षित करने के लिए विशेष वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाएँ।

**5. डिजिटल मार्केटिंग और ई-पर्यटन:**

- डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर राज्य के पर्यटन स्थलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित किया जाए।
- एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित कर पर्यटकों को सूचनाएँ, बुकिंग और सहायता प्रदान की जाए।

## निष्कर्ष

राजस्थान का पर्यटन और बजट प्रबंधन राज्य के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बजट और व्यय के बीच संतुलन बनाते हुए योजनाओं के कार्यान्वयन में सुधार किया जा सकता है।चार्ट में प्रदर्शित प्रवृत्तियाँ इस बात की ओर संकेत करती हैं कि नीति और प्रबंधन में सुधार की आवश्यकता है। पर्यटन बजट का सही और पारदर्शी उपयोग न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास में भी सहायक होगा।

संदर्भ:

[1]. गुप्ता, ए. और सिंह, पी. (2019). COVID -19 के प्रभाव से पर्यटन क्षेत्र में बजट का पुनर्गठन। सस्टेनेबल टूरिज्म जर्नल, 12(4), 112-123।

[2]. द फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI) रिपोर्ट (2020). राजस्थान के पर्यटन विकास की रणनीतियाँ।

[3]. यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन (UNWTO) (2021). विकासशील देशों में पर्यटन व्यय का महत्व।

[4]. कपूर, डी. (2020). राजस्थान के ग्रामीण पर्यटन स्थलों का बजट और उसकी चुनौतियाँ। जर्नल ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड टूरिज्म, 8(3), 50-60।

[5]. भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय (2021). राजस्थान में पर्यटन के लिए आवंटित बजट का विश्लेषण।

[6]. सिंह, ए. और जोशी, के. (2017). राजस्थान के ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों के विकास के लिए बजटीय प्रोत्साहन।

[7]. कुमार, वी. (2019). डिजिटल पर्यटन का उदय और बजटीय आवंटन। डिजिटल इकोनॉमिक्स जर्नल, 5(2), 78-89।

[8]. राजस्थान टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन रिपोर्ट (2020). पर्यटन में सरकारी और निजी भागीदारी।

[9]. UNESCO (2022). सांस्कृतिक धरोहर स्थलों का बजट और संरक्षण।

[10]. वरिष्ठ, एस. (2018). राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र में क्षेत्रीय असमानताएँ। इकोनॉमिक्स ऑफ डेवेलपिंग स्टेट्स, 9(1), 33-45।

[11]. राजस्थान सरकार, आर्थिक सर्वेक्षण (2021). राज्य के पर्यटन बजट का वार्षिक प्रदर्शन।

[12]. भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (2020). पर्यटन योजनाओं की प्रभावशीलता।

[13]. ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (2022). राजस्थान में सतत पर्यटन के लिए बजट प्रबंधन।